राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान, इंदौर

फाइल क्रमांक: प्रेस एवं पब्लिसिटी/2025 दिनांक: 19.11.2025

प्रेस नोट: ICAR-NSRI इंदौर द्वारा प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना' और 'दक्षिण भारत प्राकृतिक खेती समिट 2025' के उद्घाटन कार्यक्रम का वेबकास्ट

इंदौर, 19 नवम्बर 2025। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज 19 नवम्बर को 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना' की 21वी किश्त का बटन दबाकर 9 करोड़ पात्र किसानों को 18,000 करोड़ की राशी सीधे उनके बैंक खाते में ट्रान्सफर की. तमिलनाडु के कोइम्बतुर स्थित कृषि विश्वविद्यालय परिसर में मुख्य कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसका राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान के मंडप परिसर में सीधा वेबकास्ट किया गया, जिसमें 217 किसानों एवं कर्मचारियों समेत कुल 334 लोगों ने भाग लिया.

इस अवसर पर राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान के निदेशक , डा कुंवर हरेन्द्र सिंह ने अपने उद्बोधन में बताया कि भारत की अर्थव्यवस्था में कृषि का 17-18% योगदान हैं तथा आधे से ज्यादा जनसँख्या को रोजगार देती हैं. उन्होंने चेतावनी दी कि परिवार के सदस्यों के बीच खेत का विभाजन होने से खेती का रकबा अत्यंत कम होगा जिससे खाद्य सुरक्षा एक चुनौतीपूर्ण हो जाएगी. अपने संक्षिप्त उद्बोधन में डॉ सिंह ने खेती को आर्थिक रूप लाभकारी बनाने के लिए लघु एवं मध्यम उद्योगों को खेती से जोड़ने की आवश्यकता पर जोर दिया. उन्होंने सोयाबीन की खेती के साथ-साथ इसके पौष्टिक व्यंजन बनाकर बाजार में उपलब्ध करने हेतु स्टार्टअप के लिए इच्छुक युवाओ को संस्थान के एग्री बिजनेस इन्कुबेशन केंद्र की सुविधा उपलब्ध किये जाने की जानकारी दी.

कार्यक्रम के दौरान संस्थान की "आदिवासी उपयोजना" के अंतर्गत धार एवं खरगोन जिले के पात्र 74 लाभार्थियों को इंदौर के राऊ निर्वाचन क्षेत्र के विधायक माननीय श्री मधु वर्मा जी के करकमलों से बैटरी चालित स्प्रयेर पम्पो का वितरण किया गया. श्री वर्मा ने संस्थान के निदेशक डॉ के.एच.सिंह एवं अन्य वैज्ञानिकों सहित संस्थान के अनुसन्धान प्रक्षेत्र पर लगे "प्राकृतिक खेती" पर लगे परीक्षणों का अवलोकन किया एवं वैज्ञानिकों से चर्चा की. इस अवसर पर राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान से जुड़े किसानों एवं अन्य हितग्राहियों के हित में संस्थान द्वारा क्रियान्वित विभिन्न परियोजनाओं के लाभार्थियों ने अपने-अपने अनुभव प्रकट किये. संस्थान की आदिवासी जनजाति उपयोजना के प्रभारी डॉ लोकेश कुमार मीणा ने बताया कि इस परियोजना के अंतर्गत वर्ष 2021 से अभी तक धार, झाबुआ, बडवानी, खरगोन, इंदौर, उज्जैन, खंडवा एवं सीहोर के 1500 से भी अधिक पात्र लाभार्थियों को बैटरी चालित स्प्रे पम्प, हस्तचालित डोरा, ब्रश कटर, पैडी सीडर, स्पाइरल ग्रेडर जैसे उपकरण, तथा 300 किसानों के खेतो पर सोयाबीन गेहू, मुंग, एवं मक्का एवं कीटनाशक, फफूंदनाशक, उर्वरक जैसे आदान वितरित किये जिनसे लाभार्थी कृषकों को वास्तविक लाभ मिला हैं.